Q. P. Code : 40351

(३ तास) **(एकूण गुण:८०)**

Please check whether you have the right question paper.

सूचना: १) दूरस्थ शिक्षण संस्थेच्या (IDE) विद्यार्थ्यांसाठी वेळ ३ तास व एकूण गुण १०० आहेत.

प्र.१ अ) भाषांतर, रुपांतर, अनुवाद व अर्वाचीनीकरण या संकल्पनांमधील साम्यभेद साधार स्पष्ट करा. १५

किंवा

आ) आदर्श भाषांतरासाठी भाषांतरकर्त्याकडे कोणत्या क्षमता असणे आवश्यक आहे, ते सविस्तर सांगा.

प्र.२ अ) भाषांतर प्रक्रियेत 'शैली' ह घटक निर्णायक ठरतो, या विधानाची सोदाहरण चर्चा करा. १५

किंवा

आ) भाषांतर प्रक्रियेत सांस्कृतिक भेदाची अडचण कशी निर्माण होते, ते सोदाहरण स्पष्ट करा.

प्र.३ पुढीलपैकी इंग्रजीतील एक हिदीतील एक मध्ययुगीन मराठी गद्यांपैकी एक अशा एकूण तीन उताऱ्यांचे मराठीत भाषांतर करा. ३०

अ) Education is the act of learning things around us. It helps us to easily understand and deal with any problem and makes balance throughout the whole life in every aspect. Education is the first and foremost rights of every human being. Without education we are incomplete and our lives are useless. Education helps us to set a goal and go ahead by working on that throughout the life. It improves our knowledge, skill, confidence level and personality. It empowers us intellectually to interact with others in our life. Education brings maturity and teaches us to live in society with changing environment. It is the way to social development, economic growth and technological development.

ब) Dr. A.P.J. Abdul Kalam was really a true legend for the youngsters of the country. He has inspired the new generation of the country through his whole life, career, workings and writings. He still lives in the heart of Indian people as the people's President and Missile Man. He was a scientist and an aerospace engineer who closely linked to the India's missile programme. He later served the country as 11th President of India from 2002 to 2007. The full name of APJ abdul kalam was Avul Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam.

97055B49C1701790A0814FBC5B3D202D

क) भारतीय संविधान के प्रावधान के अनुसार, पुरुषों की तरह सभी क्षेत्रों में महिलाओं को बराबर अधिकार देने के लिये क़ानूनी स्थिति है | भारत में बच्चो और महिलाओं के उचित विकास के लिये इस क्षेत्र में महिला और बाल विकास विभाग अच्छे से कार्य कर रहा है | प्राचीन समय से ही भारत में महिलाएँ अग्रणी भूमिका में थी हालॉकि उन्हें हर क्षेत्र में हस्तक्षेप की इजाजत नहीं थी | अपने विकास और वृद्धि के लिये उन्हें हर पल मजबूत, जागरूक और चौकन्ना रहने की जरुरत है | विकास का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को समर्थ बनाना है क्योंकि एक सशक्त महिला अपने बच्चों के भविष्य को बनाने के साथ ही देश का भविष्य सुनिश्चित करती है | विकास की मुख्यधारा में महिलओं को लाने के लिये भारतीय सरकार के द्वारा कई योजनाओं को निरुपित किया गया है | पुरे देश की जनसंख्या में महिलओं की भागीदारी आधे की है और महिलओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये हर क्षेत्र में इन्हें स्वतंत्रता की जरुरत है |

ड) समय धन से ज्यादा कीमती है ; क्योंकी यदि धन को खर्च कर दिया गया जाए तो यह वापस प्राप्त किया जा सकता है हालांकि, यदि हम एक बार समय को गंवा देते है, तो इसे वापस प्राप्त नहीं कर सकते है | समय के बारे में एक सामान्य कहावत है कि, "समय और ज्वार –भाटा कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं कर सकते है |" यह बिल्कुल पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व की तरह ही सत्य है, अर्थात, जिस तरह से पृथ्वी पर जीवन का होना सत्य है, ठीक उसी तरह से कहावत भी बिल्कुल सत्य है | समय बिना किसी रूकावट के निरंतर चलता रहता है | यह कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं करता है | इसलिए, हमें जीवन के किसी भी दौर में कभी भी अपने कीमती समय को बिना किसी उद्देश्य और अर्थ के व्यर्थ नहीं करना चाहिए | हमें हमेशा समय के अर्थ को समझना चाहिए और उसी के अनुसार, इसे सकारात्मक ढंग से कुछ उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसका प्रयोग करना चाहिए |

इ) श्रीप्रभू द्वारावतीए बीजें केलें : संन्यासु स्वीकारिला : मग रीधपुरा बीजें केलें : तेथौनी मागौतें द्वारावतीए बीजें केलें : गोमतीएचां तीरीं जपत होते : पुढां दंडु रोवीला असे : तेथ गोसावी बीजें करीतां वरि सूप ठेविलें : वरि खराटेनि हाणितलें : दंडु मोडुनि गोमतीए मध्यें घातला : तेथ श्रीप्रभु शक्ति स्वीकारिली[२] मग रीधपुरा बीजें केलें

97055B49C1701790A0814FBC5B3D202D

ई) श्रीपरेशाय नम: || ०|| फलेठाणी कऱ्हाडेया ब्राम्हणांचा घरी अवतारू स्वीकरीला : मग केतुले एक दिस राज्य केलें : एकदिनी श्राध जालें : तैं गोसावियां भार्या रताचीया चाडा विनविलें : आणि गोसावियासि तेव्हळिं ब्रम्ह्चर्याची प्रवृत्ति :मग तें निमित्य करुनी मातापुरा बीजें केलें : तेथ देवगीरीवरी बीजें करीतां : श्रीदत्तात्रए प्रभू व्याघ्राचा वेखु धरुनि जाळि तळूनि बीजें केलें : हाक दीधली : श्रीमुगुटीं चवडा ठेविला : लोकू भीयाला : तो पर्ता केला : तेथ शक्ति स्वीकारिली[१] || जवं लोकू द्वारातीए जाए तवं गोसावी तेथ होते : मग बीजें केलें : द्वारातिए

प्र.४ पुढीलपैकी कोणत्याही एक विषयावर निबंध लिहा. (दूरस्थ शिक्षण संस्थेच्या विद्यार्थ्यांनी पुढीलपैकी कोणतेही दोन निबंध लिहावेत.(गुण ४०) २०

अ) समाज साहित्य व संस्कृती

ब) ग्रामीण साहित्य : काल आणि आज

क) गाव तेथे ग्रंथालय

ड) साहित्यसंमेलानाची आवश्यकता आहे काय?

इ) मराठी भाषेपुढील आव्हाने

97055B49C1701790A0814FBC5B3D202D